RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 096
दि. 04.08.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 • Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com • Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com • Website : www.navsarjansanskruti.com

संक्षिप्त समाचार

ड्रोन से दहशत फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट में होगा एक्शन, जरूरत पड़ने पर लगेगा एनएसए, सीएमयोगी की चेतावनी

उत्तर प्रदेश में ड्रोन के दुरुपयोग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त आदेश जारी किया है. उन्होंने कहा कि आतंक फैलाने वालों पर गैंगस्टर एक्ट और जरूरत पड़ने पर एनएसए लगेगा. बिना इजाजत ड्रोन उड़ाना पूरी तरह प्रतिबंधित होगा. सभी जिलों में निगरानी बढ़ेगी और तकनीक के गलत उपयोग पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ड्रोन देखे जाने के बाद लोगों में दहशत फैल गई थी. उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ड्रोन देखे जाने के बाद लोगों में दहशत फैल गई थी.

एक ही दिन में पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने राष्ट्रपति मुर्मू से कीं अलग-अलग मुलाकातें, सियासी अटकलें तेज

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की. इस मुलाकात के कुछ ही देर बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी राष्ट्रपति से मिले. इस मुलाकात के बाद सियासी हलचल बढ़ गई है.

राजधानी दिल्ली में स्थित राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है. इस मुलाकात में क्या चर्चा हुई, इसकी जानकारी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है. लेकिन दोनों की मुलाकात को बेहद अहम माना जा रहा है. यह प्रधानमंत्री की यूनाइटेड किंगडम और मालदीव की हालिया यात्रा के बाद राष्ट्रपति से पहली मुलाकात थी. प्रधानमंत्री के मुलाकात के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी शनिवार शाम को राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की.

प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह की मुलाकात ने सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है. यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है.

चुनाव आयोग ने एक अगस्त को उपराष्ट्रपति के चुनाव के तारीखों का ऐलान किया है. उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी.

धनखड़ के इस्तीफे के बाद खाली हुआ था पद

21 जुलाई, 2025 को जगदीप धनखड़ ने भारत के उपराष्ट्रपति पद से अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया. मानसून सत्र के पहले दिन की समाप्ति के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति मुर्मू को सौंपा था.

दूसरी ओर, बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्क्ष) प्रक्रिया को लेकर विवाद चल रहा है. इस प्रक्रिया को लेकर लगातार विपक्ष सवाल उठा रहा है. इस मुद्दे को लेकर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष चर्चा चाहती है, लेकिन सरकार चर्चा करवाने के लिए तैयार नहीं है. इसी कारण संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है.

फि लहाल प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह की राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात का असली कारण अब तक पता नहीं है. हालांकि, मुलाकात ने राजनीतिक गतिविधियों को और तेज कर दिया है.

मुख्यमंत्री योगी का बाढ़ प्रभावित इलाकों के अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

लखनऊ : 03 अगस्त, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाढ़ की स्थिति, आगामी पर्व एवं त्योहारों के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था, ड्रोन परिचालन, हर घर तिरंगा अभियान तथा बेसिक शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में जनपदों के प्रभारी मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी जुड़े थे।

मुख्यमंत्री जी ने बैठक में बाढ़ प्रभावित इलाकों के अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने कई जनपदों के अधिकारियों से सीधा संवाद कर स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को समय से राहत सामग्री वितरित की जाए। राहत सामग्री की गुणवत्ता व मात्रा को रैण्डम चेक किया

जाए। बाढ़ शरणालय में रहने वाले लोगों को पौष्टिक और गर्म खाना उपलब्ध कराया जाए। बाढ़ शरणालयों में महिलाओं के ठहरने के लिए उचित व्यवस्था के साथ उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए और उनके साथ रहने वाले बच्चों के लिए दूध की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित सभी जनपदों में कण्ट्रोल रूम 24x7 क्रियाशील रहें। जनपद से राहत आयुक्त कार्यालय को हर सूचना प्रतिदिन उपलब्ध करायी जाए। बाढ़ प्रभावित इलाकों में डॉक्टर्स की टीम द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं, जहां सभी का स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद आवश्यकतानुसार दवा का वितरण किया जाए। रेस्क्यू के लिए बड़ी नावों का इस्तेमाल किया जाए। छोटी-मझोली नावों का प्रयोग न किया जाए। कोई भी व्यक्ति जर्जर भवन में न रहे, अविलम्ब बाढ़ शरणालय में शिफ्ट किया जाए। बाढ़ प्रभावित जनपदों में राहत कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिहार एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करने वाले सांसद बुरे फंसे, पत्नी के वोटर आईडी से जुड़ा है मामला

(जीएनएस)।

बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किया गया स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान राजनीतिक विवादों के घेरे में आ गया है। मतदाता सूची के इस विशेष पुनरीक्षण को लेकर राज्य में तेज राजनीतिक सरगर्मी है, जिसके पहली सूची जारी होते ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

इसी कड़ी में, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव को दो वोटर कार्ड रखने के मामले में निर्वाचन आयोग ने नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। यह घटना एसआईआर की पारदर्शिता और उद्देश्य पर सवाल उठाने वालों को नई सामग्री दे रही है।

प्रमुख मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तेजस्वी यादव के बाद अब भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) यानी सीपीआई (एमएल) के सांसद सुदामा प्रसाद की पत्नी के पास भी दो मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) कार्ड मिले हैं।

गौरतलब है कि सुदामा प्रसाद की पार्टी, सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की थी।

कौन हैं सुदामा प्रसाद?

बात करें सुदामा प्रसाद की, तो वे सीपीआई (एमएल) पार्टी से जुड़े हुए एक प्रमुख नेता हैं और वर्तमान में बिहार के आरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह को आरा सीट से 59,808 मतों के बड़े अंतर से हराकर विजय हासिल की थी।

आखिर क्या है यह स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन?

निर्वाचन आयोग के अनुसार, लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने और चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी व निष्पक्ष रखने के लिए यह अभियान आवश्यक है। बिहार निर्वाचन आयोग ने राज्य में चुनावी ढांचे को सशक्त बनाने के उद्देश्य से इसे शुरू किया है।

SIR का क्या है उद्देश्य?

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह से अपडेट करना है। इसमें पुराने मतदाताओं की जानकारी की पुष्टि की जाती है, नए मतदाताओं का नामांकन होता है, और मतदाता सूची से अवैध या डुप्लीकेट नामों को हटाया जाता है। यह उन लोगों को भी मौका देता है, जो किसी वजह से अब तक नामांकन नहीं करा पाए हैं।

ओवल टेस्ट में जो रूट के आउट होते ही रुका खेल, पांचवें दिन होगा अब मैच

भारत और इंग्लैंड के बीच ओवल में पांचवां टेस्ट मैच चार दिनों में समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने इंग्लैंड को जीत दर्ज करने के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया। 106 रनों के स्कोर पर कुल 3 विकेट गंवाने के बाद इंग्लैंड ने वापसी की।

इंग्लिश टीम को इस मैच में वापसी कराने का क्रेडिट हैरिक ब्रूक की तूफानी पारी और जो रूट की समझदारी वाली बैटिंग को जाता है। ब्रूक ने ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए भारतीय गेंदबाजों को दबाव में लाने का काम किया और 91 गेंदों में धांसू सैकड़ा जमा दिया।

'हमारे बीच बंद दरवाजे', उद्धव की शिवसेना से हाथ मिलाने के दावे पर सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दिया जवाब

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और भाजपा के प्रतिनिधित्‍ व वाले गठबंधन को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही। ये अटकलें देवेंद्र फडणवीस द्वारा सार्वजनिक तौर पर दिए गए बयान के बाद तेज हो गई। वहीं अब मुख्‍ यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे के साथ संभावित गठबंधन की अटकलों पर अपनी खुलकर राय रखी है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य की राजनीतिक स्थिति और महायुति सरकार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर खुलकर बात की।

दरअसल, कुछ दिन पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच कथित तौर पर हुई 'बंद दरवाजे' की बातचीत को लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें तेज थी। इसकी वजह थी कि पहले विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे की सेवानिवृत्ति के अवसर पर, फडणवीस ने उद्धव ठाकरे को महायुति में शामिल होने का एक आमंत्रण दिया था, जिसके बाद उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्‍ य ठाकरे ने महाराष्‍ ट्र सीएम से मुलाकात की जिससे अटकलें तेज हो गई थी। इन अटकलों को एकनाथ शिंदे के दिल्ली दौरे ने और हवा दे दी थी।

हालांकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इंडिया टीवी के 'आप की अदालत' कार्यक्रम में इसका जवाब दिया है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रजत शर्मा ने जब इन अफवाहों और गठबंधन की संभावना पर सवाल किया, तो मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया, "सबसे पहले मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि एकनाथ शिंदे बिलकुल भी नाराज नहीं हैं। हमारी सरकार पूरे पांच साल तक चलेगी।"

उद्धव ठाकरे के साथ किसी भी संभावित गठबंधन पर उन्होंने कहा, "मैंने उन्हें कोई पेशकश नहीं की थी।"

फडणवीस बोले- वो सिर्फ मजाक था

फडणवीस ने आगे बताया, "वह सिर्फ. एक मजाक था, लेकिन मेरे इस मजाक को ही खबर बना दिया गया। वर्तमान में उन्हें कोई प्रस्ताव देने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि अब हमारे पास जगह नहीं है।" उन्होंने संख्या बल का हवाला देते हुए स्थिति साफ की, "महाराष्ट्र विधानसभा में कुल 288 सदस्य हैं और हमारे पास पहले से ही 232 सदस्य हैं, ऐसे में यह संभव नहीं है।"

क्‍ या बंद दरवाजे में कोई वार्ता हुई ?

रजत शर्मा ने जब 'बंद दरवाजे' की इस तथाकथित चर्चा के बारे में पूछा, तो फडणवीस ने इस दावे को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, "हमारे बीच बंद दरवाजे की कोई चर्चा नहीं हुई, यह बात मैं पहले ही साफ कर देता हूँ।" उन्होंने बताया कि उद्धव ठाकरे एक प्रतिनिधिमंडल के साथ उनसे मिलने आए थे और अपनी कम संख्या के बावजूद विपक्ष के नेता का पद चाहते थे

स्पाइसजेट के स्टाफ को जमकर पीटने वाला आर्मी ऑफिसर कौन है? 4 जख्मी, जबड़ा तोड़ा-रीढ़ की हड्डी टूटी!

श्रीनगर हवाई अड्डे पर एक चौंकाने वाली घटना में, सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कथित तौर पर स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर हमला कर दिया। यह विवाद अतिरिक्त केबिन बैगेज के शुल्क को लेकर शुरू हुआ, जो हिंसक झड़प में बदल गया। हमले में कर्मचारियों को रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर और जबड़े में गंभीर चोटें आईं। स्पाइसजेट के अनुसार, गुलमर्ग के हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश कुमार सिंह दिल्ली जाने वाली फ्लाइट के लिए चेक-इन कर रहे थे। उनके पास दो केबिन बैग थे, जिनका कुल वजन 16 किलोग्राम था, जो एयरलाइन की 7 किलोग्राम की अनुमत सीमा से कहीं अधिक था।

चिराग पासवान ने एनडीए छोड़ने की अटकलों पर लगाया विराम, बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना एजेंडा भी किया साफ

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चिराग पासवान के पाला बदलने से लेकर एनडीए से अलग होकर अकेले 243 चुनाव लड़नें की चर्चा भी होती रहती है। केंद्रीय मंत्री और एलजेपी (आर) प्रमुख के बयान भी लगातार इन अटकलों को बढ़ावा देते रहते हैं। चिराग पासवान ने कुछ दिन पहले ही बिहार में बढ़ते अपराधों पर कहा था कि इस सरकार का हिस्सा होने का दुख है।

हालांकि, अब उन्होंने चुनाव को लेकर अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। उन्होंने एनडीए से अलग होने के दावों पर भी सफाई दी है। चिराग ने कहा है कि वह एनडीए के साथ है और बिहार चुनाव में गठबंधन मजबूती से चुनाव लड़ेगा।

चिराग पासवान ने एबीपी न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि एनडीए से अलग होने के दावों में कोई सच्चाई नहीं है। हम पूरी मजबूती के साथ चुनाव की तैयारी कर रहे हैं और एकजुट होकर संग्राम में

उतरेंगे। चिराग ने एक बार फिर पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि जब तक प्रधानमंत्री हैं, वह गठबंधन से बाहर जाने के बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी दलों के कुछ लोग निजी स्वार्थ की वजह से ऐसी अफवाहें फैलाते हैं।

चिराग पासवान ने कहा, 'मेरा समर्पण मेरे प्रधानमंत्री के लिए आंख मूंदकर है। जब तक मेरे प्रधानमंत्री हैं, मैं आंख मूंद कर उनके साथ हूं। मैं NDA में था, NDA में हूं और रहूंगा।' उन्होंने इसी इंटरव्यू में अपने महत्वाकांक्षी होने के आरोपों पर भी जवाब दिया।

चिराग पासवान ने कहा, 'जहां तक मेरे महत्वाकांक्षी होने की बात है, तो जीवन में अति महत्वाकांक्षी होना ही आपकी सफलता का आधार है। जब कोई आपके साथ नहीं होता, तब आपका आत्मविश्वास, आपका साथ देता है। मैं महत्वाकांक्षी हूं लेकिन मेरी महत्वाकांक्षा, मेरे गठबंधन से ऊपर नहीं है, हम लोग साथ मिलकर बिहार के विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं।'

हर घर तिरंगा अभियान आत्मनिर्भर भारत की भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम- योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक रविवार को राजधानी लखनऊ में स्थित इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में संपन्न हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह, हर घर तिरंगा अभियान के राष्ट्रीय सहसंयोजक ऋतुराज सिन्हा, राष्ट्रीय संयोजक चुनाव संपर्क विभाग के ओम पाठक की मौजूदगी में हुई बैठक में पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले हर घर तिरंगा अभियान सहित अन्य संगठनात्मक विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने किया। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, क्षेत्रीय प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय संयोजक व सहसंयोजक, विधायक, एमएलसी, प्रदेश मोर्चा अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, जिला संयोजक व सहसंयोजक, प्रदेश आईटी संयोजक, प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक, प्रदेश मीडिया प्रभारी व सहप्रभारी सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि "हर घर तिरंगा" अभियान केवल झंडा फहराने का आयोजन नहीं, बल्कि जन-जन में राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने का जनआंदोलन है। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में लगातार चौथी बार शुरू हुआ है और इसने राष्ट्र चेतना को सशक्त अभिव्यक्ति दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान और हर हाथ में स्वदेशी उत्पाद का मंत्र, आत्मनिर्भर भारत की भावना को जमीन पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़कर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं, उसके साथ सेल्फी लें, लोगों को इससे जोड़ें और ओडीओपी जैसे स्वदेशी उत्पादों को अपनाकर स्थानीय शिल्प को प्रोत्साहन दें। यह भारत को आर्थिक रूप से मजबूत करके ब्लैकमेल करने वालों को करारा उत्तर देने का सबसे सशक्त तरीका है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि मालेगांव मामले में जैसे ही सत्य सामने आया, कांग्रेस की साजिशें बेनकाब हो गईं।

भारतीय रेल द्वारा तीन नई एक्सप्रेस ट्रेनों भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस; रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस और जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस की शुरूआत

मुंबई, विभिन्न राज्यों के बीच रेल संपर्क को सुदृढ़ करने तथा लंबे समय से चली आ रही यात्रियों की मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में, भारतीय रेल द्वारा तीन नई ट्रेन सेवाओं - ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर) - रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुर - जबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेस का शुभारंभ किया गया। इन ट्रेनों की उद्घाटन सेवाओं को दिनांक 03 अगस्त, 2025 (रविवार) को मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव; छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय; माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जहाँ भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस को भावनगर टर्मिनस स्टेशन से हरी झंडी दिखाई गई, वहीं रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस और जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस की उद्घाटन सेवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

माननीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेल में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। 34,000 किमी से अधिक नई रेलवे लाइनों का निर्माण किया गया है, और प्रतिदिन लगभग 12 किमी नई लाइन बिछाई जा रही है, जो भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार संभव हुआ है। 1300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास कर उन्हें विश्व स्तरीय बनाया जा रहा है। साथ ही, वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल जैसी आधुनिक ट्रेनें चलाई जा रही हैं और शीघ्र ही वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी शुरू की जाएगी।

इसके अलावा, माननीय रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि बहुत शीघ्र वाँसजालिया एवं जेतलसर होते हुए पोरबंदर से राजकोट के बीच एक नई ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी, जिससे क्षेत्र में रेल संपर्क और बेहतर होगा। राणावाव स्टेशन पर ₹135 करोड़ की लागत से एक अत्याधुनिक कोच मेंटेनेंस सुविधा विकसित की जाएगी। सराडीया से वाँसजालिया के बीच नई रेलवे लाइन को भी स्वीकृति दी गई है, जो एक पुरानी मांग रही है। पोरबंदर शहर में भद्रकाली गेट के पास लेवल क्रॉसिंग सं. 3 के स्थान पर यातायात सुगमता हेतु एक नया फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, माल ढुलाई को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भावनगर शहर में दो गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल स्थापित किए जाएंगे।

भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया; तथा माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

भावनगर में नया पोर्ट बनने वाला है, उस पोर्ट में आधुनिक कंटेनर टर्मिनल बनाने का कार्य भी किया जाएगा, जो भावनगर बंदरगाह को देश के प्रमुख बंदरगाहों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों से भी जोड़ेगा, जिससे अखिल भारतीय कंटेनर कार्गो संचालन को गति मिलेगी।

माननीय मंत्री ने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अनेक रेल परियोजनाएं तीव्र गति से प्रगति पर हैं। मुंबईझअहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना भी तीव्र गति से आगे बढ़ रही है और इसके जल्द चालू होने से इन दोनों शहरों के बीच यात्रा समय केवल 2 घंटे 7 मिनट रह जाएगा।

फोटो कैप्शनः माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, शामपरा स्थित मेसर्स ए.पी.पी.एल. कंटेनर्स लिमिटेड का दौरा करते हुवे दिखाई दे रहे है।

इसके पश्चात, माननीय मंत्री ने शामपरा स्थित मेसर्स ए.पी.पी.एल. कंटेनर्स लिमिटेड का दौरा किया। यह प्रतिष्ठान कंटेनर इकाइयों का एक प्रमुख निमार्ता है और "मेक इन इंडिया" पहल का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो भारत की निर्माण क्षमताओं को दशार्ता है और देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है।

फोटो कैप्शनः भावनगर के इस्कॉन क्लब में आयोजित ह्यविकसित भारत संवादह्न कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव दिखाई दे रहे है।

बाद में, माननीय मंत्री इस्कॉन क्लब, भावनगर में आयोजित ह्यविकसित भारत संवादह्न में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की तीव्र आर्थिक प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत पहल की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि कोविड के बाद जब अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाएं संकट में थीं, भारत ने निवेश आधारित रणनीति अपनाकर 6झ7% की वृद्धि दर को बनाए रखा। उन्होंने बताया कि भारत आज वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन रहा है, पिछले 11 वर्षों में $150 बिलियन मूल्य का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन हुआ है और भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल उत्पादक देश बन गया है। उन्होंने साणंद और धोलेरा में विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का उल्लेख करते हुए कहा कि भावनगरझ धोलेरा कनेक्टिविटी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। मंत्री ने स्वदेशी संकल्प, एमएसएमई को समर्थन, "मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड" के प्रति प्रतिबद्धता तथा जनसेवा की भावना से किए जा रहे कार्यों को रेखांकित किया।

हाल में प्रारंभ की गई ट्रेनों की नियमित सेवाओं का विवरण इस प्रकार हैः

ड्ड ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 19201 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस दिनांक 11 अगस्त, 2025 से प्रत्येक सोमवार को 13:50 बजे भावनगर टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:30 बजे अयोध्या कैंट पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट - भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस दिनांक 12 अगस्त, 2025 से प्रत्येक मंगलवार को 22:30 बजे अयोध्या कैंट से प्रस्थान कर तीसरे दिन (गुरुवार) को 04:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर पार, सिहोर (गुजरात), धोला, बोटाद, लिंबडी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं. तथा बाराबंकी स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे उपलब्ध रहेंगे।

नई शुरू की गई ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस, गुजरात और उत्तर प्रदेश के बीच तेज और निर्बाध रेल संपर्क को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ट्रेन भावनगर एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करती है और तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, व्यापार या रोजगार हेतु यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अधिक सुविधा प्रदान करेगी। इस सेवा से न केवल यात्रा समय में कमी आने की अपेक्षा है, बल्कि इसके मार्ग पर व्यापार और पर्यटन को भी उल्लेखनीय बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, यह बेहतर कनेक्टिविटी भावनगर क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

ड्ड ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर) - रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 20151 पुणे (हडपसर) - रीवा एक्सप्रेस दिनांक 07 अगस्त, 2025 से प्रत्येक गुरुवार को 15:15 बजे पुणे (हडपसर) से प्रस्थान कर अगले दिन 17:30 बजे रीवा पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 20152 रीवा - पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस दिनांक 06 अगस्त, 2025 से प्रत्येक बुधवार को 06:45 बजे रीवा से प्रस्थान कर अगले दिन 09:45 बजे पुणे (हडपसर) पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगाँव, मनमाड, भुसावल, अकोला, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे उपलब्ध रहेंगे।

ड्ड ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुर - जबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 11701 रायपुर - जबलपुर एक्सप्रेस दिनांक 04 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन 14:45 बजे रायपुर से प्रस्थान कर उसी दिन 22:45 बजे जबलपुर पहुँचेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 11702 जबलपुर - रायपुर एक्सप्रेस दिनांक 05 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन 06:00 बजे जबलपुर से प्रस्थान कर उसी दिन 13:50 बजे रायपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर तथा मदन महल स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में एसी चेयर कार, चेयर कार तथा द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बों की सुविधा होगी।

भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट उद्घाटक एक्सप्रेस का महेसाणा में भव्य स्वागत

यह पहली ट्रेन है जो मेहसाणा को रामलल्ला की नगरी अयोध्या से जोड़ती है।

अब सोमवार शाम को मेहसाणा वासी इस ट्रेन में जा सकेंगे और मंगलवार को अयोध्या पहुँच कर मंदिर दर्शन कर रात में इसी ट्रेन से वापस लौट सकेंगे।

महेसाणा स्टेशन से माननीय सांसद श्री हरीभाई पटेल एवं महेसाणा से विधायक श्री मुकेशभाई पटेल और खेरालु से विधायक श्री सरदारभाई चौधरी के द्वारा इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया गया।

आज, 3 अगस्त 2025 को भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस का शुभारंभ माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, माननीय केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और माननीय राज्य मंत्री उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण श्रीमती निमुबेन जयंतिभाई बांभणिया द्वारा भावनगर टर्मिनस से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इसी क्रम में, अहमदाबाद मंडल के महेसाणा स्टेशन पर भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस के प्रथम आगमन पर एक भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। यह क्षण महेसाणा वासियों के लिए अत्यंत खास रहा, क्योंकि यह ट्रेन पहली बार उनके

स्टेशन पर पहुँची। इस ट्रेन की माँग महेसाणा क्षेत्र से लंबे समय से लोकसभा सांसद श्री हरिभाई पटेल द्वारा की जा रही थी, जो आज पूरी हुई। उन्होने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी को यह ट्रेन को चलाने के लिए आभार प्रकट किया।

महेसाणा स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में लोकसभा सांसद महेसाणा श्री हरिभाई पटेल, डीआरएम अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश , महेसाणा से विधायक श्री मुकेशभाई पटेल, और खेरालु से विधायक श्री सरदारभाई चौधरी सहित अन्य गणमान्य अथितियों की उपस्थित में इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए प्रस्थान कराया।

यह भावनगर से अयोध्या के लिए शुरू की गई पहली सीधी ट्रेन सेवा है, जो सौराष्ट्र क्षेत्र के साथ-साथ महेसाणा को सीधे उत्तर प्रदेश के पवित्र नगर अयोध्या से जोड़ती है। इस सेवा से महेसाणा और आसपास के यात्रियों को अयोध्या जाने के लिए अब एक सुविधाजनक, सुरक्षित और सीधा रेल यात्रा का विकल्प मिला है। यह ट्रेन क्षेत्र के श्रद्धालुओं और यात्रियों को सीधे अयोध्या तक पहुँचाएगी। अब महेसाणा क्षेत्र के नागरिक अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि के दर्शन हेतु सीधे ट्रेन से यात्रा कर सकेंगे, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी और धार्मिक पर्यटन को भी एक नया आयाम मिलेगा।

महेसाणा स्टेशन पर आयोजित इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में ऋछटटऋ अमूल और दूधसागर डेरी के चेयरमैन श्री अशोक चौधरी, महेसाणा बीजेपी के जिला प्रेसिडेंट श्री गिरीश राजगोर, रेलवे अधिकारियों, स्थानीय नागरिकों और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्या भाजपा नीतीश को नहीं बनाएगी सीएम? महागठबंधन में लौटेगा जेडीयू? पप्पू यादव का चुनाव से पहले बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

बिहार में साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ चुका है। मुकाबला इस बार भी ठऊअ बनाम महागठबंधन के बीच कड़ा होने वाला है, लेकिन सवाल अब पहले से कहीं ज्यादा पेचीदा हैं -क्या नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बनेंगे? क्या तेजस्वी यादव होंगे महागठबंधन का चेहरा? और क्या रणनीतिकार प्रशांत किशोर इस बार कोई राजनीतिक चमत्कार करेंगे?

इन तमाम मुद्दो पर लोकसभा सांसद पप्पू यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। कभी जनता अधिकार पार्टी के मुखिया रहे पप्पू यादव फिलहाल कांग्रेस से जुड़े हैं। पप्पू यादव ने बिना लाग-लपेट, सीधा और सटीक अंदाज में कहा कि इस बात की पूरी संभावना है कि भाजपा नीतीश कुमार को आने वाले चुनाव में मुख्यमंत्री पद से हटा दे।

पप्पू यादव ने कहा,

"भाजपा ने कभी भी नीतीश जी को मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार नहीं किया। नीतीश जी की आज भी एक धर्मनिरपेक्ष छवि है। लेकिन हाल की घटनाएं-जैसे वक्फ कानून में संशोधन पर NDA का समर्थन-ने अल्पसंख्यकों को काफी आहत किया है। जब हमारे नेता राहुल गांधी 65% आरक्षण और जातीय जनगणना की बात करते हैं, तब नीतीश जी चुप हो जाते हैं।"

उन्होंने कहा, "बिहार में BJP की कोई अहमियत नहीं है नीतीश कुमार के बिना। अब एइउ वर्ग को भी समझ में आ गया है कि भाजपा ने उनके नेता को कमजोर कर दिया। इसलिए EBC, SC, ST, OBC और अल्पसंख्यक वोट कांग्रेस की ओर शिफ्ट हो रहे हैं।"

पप्पू यादव बोले- 'नीतीश जी को महागठबंधन में आ जाना चाहिए'

पप्पू यादव ने नीतीश कुमार को फिर से महागठबंधन में शामिल होने का न्योता देते हुए कहा,

"नीतीश जी को महागठबंधन में आ जाना चाहिए, क्योंकि BJP आखिर में उन्हें धोखा ही देगी। मैं व्यक्तिगत रूप से उनका सम्मान करता हूं और सिर्फ मैं ही नहीं हमारे नेता भी उनका सम्मान करते हैं।"

पप्पू यादव ने कहा, "अगर भाजपा को नीतीश की जरूरत है, तो क्या कांग्रेस को बिहार में RJD की जरूरत नहीं हो सकती है। गठबंधन को साथ लेकर चलना जरूरी है। कांग्रेस की भूमिका के बिना बिहार में कोई भी राजनीतिक दिशा तय नहीं की जा सकती।

क्या शाहरुख खान के दामाद बनना चाहते थे 'सैयारा' के अहान पांडे?

सुहाना के साथ था अफेयर? फिर क्यों टूटा रिश्ता?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे के कजिन ब्रदर अहान पांडे अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सैयारा' को लेकर लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं। अहान पांडे ने फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है और पहली ही मूवी से लोगों के दिलों पर राज करने लगे हैं।

अहान पांडे की 'सैयारा' साबित हुई ब्लॉकबस्टर

आपको बता दें कि मोहित सूरी की फिल्म 'सैयारा' रिलीज होने के 15 दिनों के अंदर ही ब्लॉकबस्टर सबित हो गई है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई नए रिकॉर्ड बना लिए हैं। वहीं लड़कियां फिल्म के लीड हीरो अहान पांड को लेकर क्रेजी होती नजर आ रही हैं।

बिजनेसमैन चिक्की पांडे के बेटे हैं अहान पांडे

जानकारी के अनुसार फिल्म 'सैयारा' के लीड हीरो अहान पांडे की उम्र 27 साल है। वह बिजनेसमैन चिक्की पांडे के बेटे हैं। अहान की मां का नाम डिएन पांडे है, जो कि एक फिटनेस एक्सपर्ट और राइटर हैं। अहान पांडे का जन्म मुंबई में ही हुआ था। उन्होंने मुंबई के ओबेरॉय इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की है।

अहान पांडे की पढ़ाई, करियर और गर्लफ्रेंड

-इसके बाद अहान पांडे ने यूनिवर्सिटी ऑफ मुंबई से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। जानकारी के अनुसार अहान पांडे बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे के कजिन ब्रदर हैं। अनन्या पांडे के पिता एक्टर चंकी पांडे रिश्ते में अहान पांडे के चाचा लगते हैं। बहन अनन्या पांडे को अपना इंस्पिरेशन मानते हुए ही अहान पांडे भी बॉलीवुड में एक्टिंग करने के लिए उतरे हैं।

-फिल्म 'सैयारा' की सक्सेस के साथ-साथ अहान पांडे की पर्सनल लाइफ को लेकर भी जमकर चर्चा हो रही है। इसी बीच अहान पांडे के साथ श्रुति चौहान का नाम जोड़ा जा रहा है। कहा जा रहा है कि श्रुति चौहान सैयारा के अहान पांडे की कथित गर्लफ्रेंड हैं। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन श्रुति द्वारा फिल्म 'सैयारा' के लिए की गई इमोशनल पोस्ट ने इन अटकलों को हवा दे दी है।

कौन हैं श्रुति चौहान?

-आपको बता दें कि श्रुति चौहान एक एक्ट्रेस और मॉडल हैं, जिन्हें जोया अख्तर की फिल्म 'गली बॉय' में देखा गया था। उस फिल्म में उन्होंने माया का किरदार निभाया था।

-जयपुर की रहने वाली श्रुति चौहान ने ज्योति विद्यापीठ से आर्ट्स की पढ़ाई की है। इसके अलावा वह सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ म्यूजिक वीडियो 'हद से' में भी नजर आ चुकी हैं।

कौन हैं ये मां-बेटी? साथ पास की नीट परीक्षा, अब साथ करेंगी एमबीबीएस की पढ़ाई

(जीएनएस)।

सपनों की कोई उम्र नहीं होती, अगर दृढ़ इच्छा शक्ति और सच्ची लगन हो तो जागती आंखों से देखा सपना जरूर पूरा होता है। ऐसी ही एक मां की प्रेरणादायक खबर सुर्खियां बटोर रही है। 49 वर्षीय मां ने अपनी बेटी के साथ ठएएळ परीक्षा पास करके इतिहास रच दिया है। ठएएळ परीक्षा पास करने के बाद अब ये मां अपनी बेटी के साथ टइर की पढ़ाई करेंगी। आइए जानते हैं कौन हैं ये मां-बेटी?

ये मां-बेटी की जोड़ी तमिलनाडु के तिरुवरुर जिले की रहने वाली है। मां का नाम अय्यरमुथु अमुथावल्ली है और बेटी का नाम एम. संयुक्ता है। 49 वर्षीय मां अय्यरमुथु अमुथावल्ली को मेडिकल की तैयारी करने की प्रेरणा अपनी बेटी से मिली। डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने में जुट गई और अब बेटी के साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा ठएएळ पास कर मिसाल कायम कर दी है।

कौन हैं ये मां बेटी की जोड़ी?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमूथावल्ली मनिवन्नन फिजियोथेरेपिस्ट हैं और पहले प्राइवेट स्कूल में जीव विज्ञान भी पढ़ा चुकी हैं और शादी के बाद अपनी घर

गृहस्थी संभालने में बिजी थी। मां अमूथावल्ली की बेटी को जब ये पता चला कि उनकी मां का डॉक्टर बनने का सपना वर्षों पहले अधूरा रह गया है है तो बेटी ने मां को प्रोत्साहित किया। बेटी ने मां को बताया कि नीट परीक्षा में बैठने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती तो आप अपना ये सपना पूरा कर सकती हैं।

बेटी बनी प्रेरणा, मां ने रच दिया इतिहास

फिर क्या था बेटी के प्रोत्साहित करने पर मां ने ठान ली और इस कठिन परीक्षा में बैठने का फैसला किया। उन्होंने बेटी के साथ बैठकर घंटों पढ़ाई की, नोट्स बनाए और अपनी कड़ी मेहनत से यह सिद्ध कर दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। नीट में उम्र या कितनी बार प्रवेश परीक्षा में अटेम्प्ट की कोई सीमा नहीं है, जिससे अमुथवल्ली ने लगातार तीन बार प्रयास किया और अपने सपने को पूरा किया।

बेटी ने हर कदम पर दिया साथ

अमूथावल्ली ने बताया, "मुझे वर्तमान पाठ्यक्रम काफी कठिन और उनके स्कूल के दिनों से बहुत अलग लगा। ऐसे में मेरी बेटी मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा बनीं। मैंने उसकी किताबें लीं और परीक्षा की तैयारी की।" संयुक्ता, जो कोचिंग ले रही थी, ने अपनी मां को पढ़ाई के लिए किताबें भी मुहैया कराईं।

अमुथवल्ली के लिए आसान नहीं था सफर

अमुथवल्ली के लिए यह सफर आसान नहीं था। उन्होंने बताया कि उन्होंने पहले तीन बार NEET की परीक्षा दी, लेकिन सफलता नहीं मिली। अपने इरादे पर अडिग रहते हुए, उन्होंने चौथी बार प्रयास किया और इस बार उन्हें कामयाबी मिली। अमूथावल्ली अपनी बेटी के साथ 'बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति' (PwD) श्रेणी के तहत इसमें शामिल हुईं। काउंसलिंग में उन्होंने अपने गृहनगर तेनकासी के पास विरुधुनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज को अपनी प्राथमिकता बताया था। अमूथावल्ली ने इस परीक्षा में 147 अंक हासिल किए थे।

संयुक्ता अपनी मां को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा मानती हैं। उनका कहना है, "मेरी मां मेरी इंस्पिरेशन हैं।" जब उन्होंने देखा कि उनकी माँ भी उन्हीं की तरह लगन से पढ़ाई कर रही थीं, तो उनका जोश और बढ़ गया।

कौन हैं मथुरा श्रीधरन? अमेरिका में बनीं सॉलिसिटर, बिंदी की वजह से हो रही ट्रोल

(जीएनएस)।

अमेरिका में भारतीय मूल की एक और महिला ने अपने काबलियत का परचम लहराया है। भारतीय मूल की वकील मथुरा श्रीधरन को अमेरिका में सॉलिसिटर जरलत नियुक्त किया गया है। 31 जुलाई को मथुरा को ओहियो के अटॉर्नी जनरल डेव यॉस्ट ने राज्य का सॉलिसिटर जनरल नियुक्त किया था। जिसके बाद से ही मथुरा श्रीधरन को नस्लवादी और अपमानजनक टिप्पणियों का शिकार हो रही हैं।

भारतीय मूल की मथुरा श्रीधरन को सोशल मीडिया पर केवल इसलिए ट्रोल किया जा रहा है क्योंकि वो बिंदी लगाती है। उनके ट्रोल करने वाले उनके ऊपर तरह* तरह के कमेंट करते हुए सवाल उठा रहे है कि आखिर इतना महत्वपूर्ण पद किसी "अमेरिकी" को क्यों नहीं दिया गया।

अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने मथुरा श्रीधरन की तारीफ

मथुरा श्रीधरन को ओहियो के 12वें सॉलिसिटर जनरल के रूप में चुना गया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा करते हुए, अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने " पर एक पोस्ट लिखी थी, जिसमें उन्होंने मथुरा को "प्रतिभाशाली" बताया और विश्वास व्यक्त किया कि वह राज्य की अच्छी सेवा करेंगी। उन्होंने लिखा,

"मथुरा प्रतिभाशाली हैं... उन्होंने पिछले साल रउडळवर में अपना तर्क जीता। जिन सॉलिसिटर जनरलों (फ्लावर्स और गैसर) के अधीन उन्होंने काम किया, उन सभी ने उनकी सिफारिश की। हमेशा! उन्हें बढ़ावा देकर उत्साहित हूं। वह ओहियो की अच्छी सेवा करेंगी।"

बिंदी लगाने को लेकर मथुरा श्रीधरन हुई ट्रोल

हालांकि, श्रीधरन को भारतीय होने और बिंदी पहनने के कारण नस्लवादी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। एक कमेंट में पूछा गया, "आप ऐसे महत्वपूर्ण पद के लिए किसी ऐसे व्यक्ति को क्यों चुनेंगे जो अमेरिकी नहीं है?" एक अन्य ने उनकी बिंदी पर टिप्पणी करते हुए कहा, "बिंदी असंगत है, लेकिन अंततः फिर भी दिखाई देती है।"

अटॉर्नी जनरल यॉस्ट ने मथुरा के बचाव में क्या कहा?

इन टिप्पणियों के बाद डेव यॉस्ट ने मथुरा श्रीधरन का बचाव किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दावा करना "गलत" है कि मथुरा अमेरिकी नहीं हैं। यॉस्ट ने जोर देकर कहा कि अगर किसी को श्रीधरन का रंग या उनका नाम परेशान करता है, तो समस्या व्यक्ति में है, न कि श्रीधरन में।

यॉस्ट ने कहा, "कुछ कमेंटेटर ने गलत तरीके से दावा किया है कि मथुरा अमेरिकी नहीं हैं। वह संयुक्त राज्य अमेरिका की नागरिक हैं, एक अमेरिकी नागरिक से विवाहित हैं, और प्राकृतिककृत अमेरिकी नागरिकों की संतान हैं। अगर उनका नाम या उनका रंग आपको परेशान करता है, तो समस्या उनके या उनकी नियुक्ति में नहीं है।"

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

एक की उदण्डता ने कम की इज्जत

सेना का भारतीयकरण जरूरी, भारतीय सैन्य अधिकारियों की मुसीबत यह है कि उनकी मानसिकता आज भी अंग्रोजियत के रंग में रंगी हुई है। उन्हें आम नागरिकों से व्यवहार करने का आज भी शालीन तरीका अपनाना अपनी बेइज्जती महसूस होती है। आए दिन सार्वजनिक स्थलों पर सिविल अधिकारियों और नागरिकों से सेना के अधिकारियों की झड़प देखने को मिलती है। रविवार को पता चला कि एक सेना के लेफ्टिनेंट कर्नल ने अतिरिक्त केबिन सामान को लेकर श्रीनगर हवाई अड्डे पर स्पाइसजेट के ग्राउण्ड स्टाफ पर हमला करके उसकी रीढ़ की हड्डी को पैक्चर कर दिया तथा जबड़ा तोड़ दिया। लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश वुमार सिह की यह उदण्डता 26 जुलाई की है किन्तु इस घटना का खुलासा रविवार को हुआ। झगड़े का कारण था सैन्य अधिकारी के सामान का निति भार से ज्यादा होना। 7 किग्रा तो वह आसानी से नियमानुसार ले जा सकते थे किन्तु उनका सामान 16 किग्रा निर्धारित भार सीमा से दोगुना से भी ज्यादा। मतलब यह कि अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करके अवैध लाभ लेना चाहते थे। अपने कर्तव्य निर्वहन के लिए स्पाइसजेट के ग्राउण्ड कर्मचारी को सेना के अधिकारी का कोपभाजन बनना पड़ा। यह अच्छा हुआ कि सैन्य अधिकारी के खिलाफ पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली किन्तु अभी तक उसे गिरफ्तार न कर पाना इस बात का स्पष्ट प्रामाण है कि अभी भी उस अधिकारी को पुलिस, प्राशासन और उसके पद की प्रातिष्ठा का लाभ मिल रहा है।

दरअसल आज भी भारतीय सेना का सिविलियन के प्राति वैसा ही व्यवहार है जैसा कि 1947 के पहले था। ये अधिकारी अपने निचले स्तर के कर्मियों के साथ भी इसी तरह अमानवीय व्यवहार करते हैं और जब वह कमा यानि सिपाही अपने कम्पनी कमांडर अथवा कमांडिग आफिसर को शिकायत करता है तो उसी के खिलाफ अनुशासनहीनता और अपने अधिकारी को असंतुष्ट करने का आरोप लगता है। आमा के अपने कानून होते हैं और उनकी धाराएं आज भी वही हैं जिन्हें ब्रिटिश शासन के दौरान बनाया गया था। तमाम ऐसे अमानवीय एवं अव्यावहारिक प्रावधान हैं जिन्हें न तो सेना बदलना चाहती है और न ही सरकार को किसी तरह की चिन्ता है। सेना का मानना है कि यदि उन प्रावधानों को खत्म कर दिया जाएगा तो सेना में भी अनुशासनहीनता की भावना आ जाएगी। किन्तु सच तो यह है कि शीर्ष अधिकारी सिपाही स्तर के कर्मियों को अपना गुलाम समझते हैं।

इसका मुख्य कारण यही है कि उन्हें आमा मैन्युअल के मुताबिक संरक्षण मिलता है। शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल सैम बहादुर जैसे को अपना आदर्श मानें तो सैन्य प्रातिष्ठान में भी अधिकारियों के व्यवहार में बदलाव लाना असंभव नहीं है।

यह सच है कि हमारे देश में सेना का बहुत सम्मान है। आम आदमी के दिल में सेना के प्राति जो सम्मान है, वह सेना के लिए बहुमूल्य प्रातिष्ठा का कारण है। इसलिए सेना के अधिकारियों द्वारा जब कभी भी इस तरह की बदतमीजियों की घटना होती है तो भी देश की आम जनता उनके प्राति नरमी ही बरतती है। किन्तु वास्तविकता तो यह है कि जब तक सैन्य तंत्र खुद अपने अधिकारियों को भारतीयता का एहसास नहीं कराएगी, तब तक इस स्थिति से छुटकारा मिलने वाला नहीं है।

लब्बोलुआब यह है कि सरकार को सैन्य मैन्युअल में व्यापक संशोधन करने की जरूरत है और जो अधिकारी सेना के अंदर या बाहर इस तरह की बदतमीजी करे उसे तत्काल स्टेट अथारिटी का एहसास कराए जाने की जरूरत है। उन्हें भी सामान्य न्यायालय में भारतीय न्याय संहिता के तहत अभियोजन का सामना करने के लिए विवश किया जाना चाहिए।

गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर

2023-24 में गुजरात का कुल मत्स्य उत्पादन 9.08 लाख मीट्रिक टन रहा, 2024-25 में 10.37 लाख मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन का अनुमान

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 2025-26 में केंद्र की ओर से गुजरात के लिए 50 करोड़ रुपए की ग्रांट जारी की गई

गांधीनगर, 03 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश में ब्लू इकोनॉमी विकसित करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में कहा था, ह्लहम एक ऐसे भविष्य की ओर अग्रसर हैं, जहां ब्लू इकोनॉमी, ग्रीन प्लेनेट के निर्माण का एक माध्यम बनेगी।ह्व गुजरात में देश की सबसे लंबी 2340.62 किलोमीटर लंबी तटरेखा है, जो देश में ब्लू इकोनॉमी के विकास में अहम योगदान दे सकती है। राज्य में मत्स्य उत्पादन में वृद्धि करने और मछुआरों को आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने भी विभिन्न प्रोत्साहक पहलें और नीतियां क्रियान्वित की हैं। इसके चलते आज गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

गत 4 वर्षों में गुजरात में औसत वार्षिक मत्स्य उत्पादन 8.56 लाख मीट्रिक

गुजरात समुद्री मछली के उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है। पिछले 4 वर्षों में गुजरात में औसत वार्षिक मत्स्य उत्पादन का आंकड़ा 8.56 लाख मीट्रिक टन रहा है।

वर्ष 2023-24 (अक्टूबर-सितंबर) में राज्य में समुद्री मछली का उत्पादन 7,04,828 मीट्रिक टन और अंतरदेशीय मछली का उत्पादन 2,03,073 मीट्रिक टन था। इस प्रकार, वर्ष 2023-24 में राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 9,07,901 मीट्रिक टन रहा था। वर्ष 2024-25 (अक्टूबर-सितंबर) में राज्य में अनुमानित 7,64,343 मीट्रिक टन समुद्री मछली उत्पादन और 2,72,430 मीट्रिक टन अंतरदेशीय मछली उत्पादन के साथ राज्य का कुल मछली उत्पादन लगभग 10,36,773 मीट्रिक टन अनुमानित है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना : 2025-26 में केंद्र की ओर से गुजरात के लिए 50 करोड़ रुपए की ग्रांट जारी

मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता

बढ़ाने तथा मछुआरों की आजीविका में सुधार के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश भर में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) लागू की है। इसके अंतर्गत मत्स्योद्योग के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को केंद्र में रखा गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता और गुणवत्ता से लेकर टेक्नोलॉजी, पोस्ट-हार्वेस्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और मार्केटिंग तक मत्स्य पालन वैल्यू चेन में विद्यमान महत्वपूर्ण खामियों को दूर करने के लिए डिजाइन की गई है। इस योजना का उद्देश्य वैल्यू चेन को आधुनिक और मजबूत बनाना, ट्रेसेबिलिटी बढ़ाना और एक मजबूत मत्स्य पालन प्रबंधन ढांचा स्थापित करने के साथ-साथ मछुआरों का सामाजिक और आर्थिक कल्याण सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत गुजरात में वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक विभिन्न घटक परियोजनाओं के लिए भारत सरकार की ओर से कुल 897.54 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। वर्ष 2025-26 के लिए पीएमएमएसवाई के अंतर्गत गुजरात को 50 करोड़ रुपए की ग्रांट आवंटित की गई है। इससे भी राज्य में मत्स्य पालन की गतिविधियों को गति मिल रही है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास के लिए गुजरात सरकार के प्रयास

गुजरात के 2340.62 किमी लंबे समुद्री तट की संपूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए राज्य सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र में अनेक पहल शुरू की हैं, जिनमें डीजल की वेट दर में कमी, केरोसिन और पेट्रोल की खरीद पर सब्सिडी की सुविधा, झींगा मछलियों के पालन के लिए भूमि प्रदान करना, सड़क एवं बिजली की सुविधाएं और छोटे मछुआरों के बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे में सुधार आदि शामिल हैं। इसके साथ ही, माढवाड़, नवाबंदर, वेरावळ-2 और सूत्रापाडा में चार नए मत्स्य बंदरगाहों का निर्माण किया जा रहा है।

चालू वर्ष 2025-26 के लिए राज्य सरकार द्वारा मत्स्योद्योग के विकास के लिए अनेक नई पहल शुरू की गई हैं, जिनमें मत्स्य पालन और उत्पादन के लिए बायोफ्लोक/रीसर्कयुलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) की स्थापना में सहायता, झींगा तालाब की पूर्व तैयारी के लिए दवाई, मिनरल तथा भोजन के रूप में दिए जाने वाले प्रोबायोटिक की खरीद पर सहायता, केज कल्चर के लिए सहायता शामिल है। इसके अलावा, आधुनिक बोट बिल्डिंग यार्ड की स्थापना और बोट मालिकों, मत्स्योद्योग सहकारी मंडलियों और मत्स्य व्यापारियों के लिए ब्लास्ट फ्रीजर और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना पर सहायता के साथ-साथ परंपरागत मछुआरों के लिए नाव (रिप्लेसमेंट) और जाल प्रदान करना, मछली उप-उत्पाद प्रसंस्करण इकाई और सी-वीड बैंक की स्थापना तथा झींगा/मछली/केकड़ा हेचरी की स्थापना और सी-वीड कल्चर आदि के लिए भी सहायता (राफ्ट/ट्यूब नेट) दी जाएगी।

आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तानाशाही, बचकाने वत्तव्यों और यू-टर्न वाले वृत्यों से दुनिया भर में उपहास का पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसे में आम आवाम को एक बार फिर हरित व्रन्ति की तर्ज पर अमेरिका के सामानों का बहिष्कार करना होगा, स्वदेशी को पूरी तरह स्वीकारना होगा और लिखनी होगी राष्ट्रहित की नई इबारत।

आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ अमेरिका अपने स्लीपर सेल की दम पर समूची दुनिया में सरकारें बदलने का षडयंत्र लम्बे समय से करता आ रहा है।

बांग्लादेश से लेकर श्रीलंका तक, कनाडा से लेकर स्कॉटलैंड तक और मेक्सिको से लेकर यूव्रेन तक अमेरिका ने हमेशा ही सरकार गठन के दौरान हस्तक्षेप किया है।

वह विदेशों में वहां के मीरजाफरों की फौज एकत्रित करता है, उन्हें पैसों की चमक दिखाता है और फिर सरकार विरोधी दलों के साथ सांठगांठ करके अपने षडयंत्र की अमली जामा पहनाने में जुट जाता है।

बांग्लादेश इसका जीता जागता उदाहरण है जहां उसने एक विशेष भू भाग हथियाने का प्रयास किया जिसमें सफल न होने पर वहां के सरकार विरोधियों के सहयोग से अपने पसन्दीदा व्यत्ति को सिहासन पर बैठा दिया। यूव्रेन पर दबाव बनाकर अपने इच्छित समझौते पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश तो अमेरिकी राष्ट्रपति अपने ही घर में कर चुके हैं। अब भारत की बढती अर्थव्यवस्था और नेता विपक्ष यानी राहुल गांधी ने तत्काल सरकार को घेरने की अपनी नाकाम कोशिश शुरू कर दी। यह अगल बात है कि उन्हें उनकी ही पाटा के नेताओं ने ही आइना दिखा दिया। टैरिफ की गीदड़ भभकी देने वाले ट्रंप ने 7 अगस्त से अपना फरमान लागू

एक विशाल बाजार देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति नित नये फरमान जारी करके दबाव बनाने की जी तोड कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत सम्मानित है। विगत चार सालों में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6 प्रतिशत से अधिक ही रही है। वर्ष 2023 में यह आंकडा 9.2ट्ट तक जा पहुंच गया था। जबकि अमेरिका की अपनी जीडीपी ग्रोथ रेट वर्ष 2022 से 2025 के मध्य मात्र 3 प्रतिशत से ऊपर ही नहीं गई। अमेरिका की वुल आबादी से लगभग दो गुना लोग तो भारत में केवल नौकरीपेशा ही है। अभी हाल ही में इंटरनेशनल मॉनेटरी पंड यानी आईएमएफ के घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5ट्ट की दर से बढ़ सकती है जो कि एक उपलब्धि होगी। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारतीय अर्थ व्यवस्था को डेड इकनॉमी बताकर अपनी षडयंत्रकारी प्रवृत्ति का स्वयं ही खुलासा कर दिया है।

भारत के संसदीय सत्र के दौरान ट्रंप ने बयान दिया जिसके आधार पर करने की घोषणा कर दी है जिससे 69 देशों सहित पूरा यूरोपीय संघ सीधा प्रभावित हो रहा है। टैरिफ के अनुसार अफगानिस्तान पर 15, एलजीरिया पर 30ट्ट, अंगोला पर 15ट्ट, बांग्लादेश पर 20, बोलीविया पर 15, बोस्निया पर 30, हज्रेगोविना पर 30, बोत्सवाना पर 15, ब्राजिल पर 10, ब्रुनेई पर 25, वंबोडिया पर 19, वैमरून पर 15, कोस्टा रिका पर 15, कोटे डी आइवर पर 15, कांगो 15, इक्वेडोर पर 15, इक्वेटोरियल गिनी पर 15, यूरोपीय संघ पर 15, फाकलैंड द्वीप समूह पर 10, फिजी पर 15, घाना पर 15, गुयाना पर 15, आइसलैंड पर 15, भारत पर 25, इंडोनेशिया पर 19, इराक पर 35, इजराइल पर 15, जापान पर 15, जॉर्डन पर 15, कजाखस्तान पर 25, लाओस पर 40, लिसोटो पर 15, लीबिया पर 30, लिकटेंस्टाइन पर 15, मेडागास्कर पर 15, मलावी पर 15, मलेशिया पर 19, मॉरीशस पर 15, मोलदोवा पर 25, मोजाम्बिक पर 15, म्यांमार यानी बर्मा पर 40, नामिबिया पर 15, नाउरू पर 15, न्यूजीलैंड पर 15, निकारागुआ पर 18, नाइजीरिया पर 15, उत्तर मैसेडोनिया पर 15, नॉव्रे पर 15, पाकिस्तान पर 19, पापुआ न्यू गिनी पर 15, फिलिपींस पर 19, स्रबिया पर 35, दक्षिण अफ्रीका पर 30, दक्षिण कोरिया पर 15, श्रीलंका पर 20, स्विट्जरलैंड पर 39, सीरिया पर 41, ताइवान पर 20, थाईलैंड पर 19, त्रिनिदाद पर 15, टोबैगो पर 15, ट्यूनीशिया पर 25, टका पर 15, युगांडा पर 15, यूनाइटेड किगडम पर 10, वानुअतु पर 15, वेनेजएला पर 15, वियतनाम 20, जाम्बिया पर 15 तथा जिम्बाब्वे पर 15 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।

सबसे ज्यादा टैक्स रेट वाले देशों में सीरिया को 41, स्विट्जरलैंड को 39, लाओस और म्यांमार को 40, इराक और स्रबिया को 35 और लीबिया और अल्जीरिया को 30 प्रतिशत की सीमा में रखा गया हैं जबकि ताइवान, भारत और वियतनाम जैसे अन्य देश 20 से 25 प्रतिशत की सीमा में हैं। इस सबके पीछे भारत का वैश्विक मंच पर बढता कद, स्वदेशी उत्पादन की वृद्धि, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बढता ग्राफ, ब्रिक्स करैन्सी की योजना, रूस के साथ गहरे संबंध, चीन के साथ कायम होता संतुलन, मालदीप जैसे देशों का पुनः जागता भारत प्रेम जैसे अनेक कारण हैं जिनके कारण डोनाल्ड ट्रंप अपनी गिरती साख को बचाने के लिए मुहम्मद तुगलक बनकर एक पागल बादशाह का पर्याय बनते जा रहे हैं। अमेरिका ने पहली बार भारत पर षडयंत्र शस्त्र से आामण नहीं किया है बल्कि इतिहास के पन्नों में उसकी घातक मानसिकता के संदर्भ भरे पडे हैं। सन् 1962 में भारत-चीन युद्ध होने के कारण देश के हालत चिन्ताजनक हो गये थे।

उसके बाद सन् 1965 में भारत को पाकिस्तान से युद्ध करना पड गया। तब अमेरिका से आने वाले अनाज पर ही देश पूरी तरह निर्भर था। ऐसे में युद्ध के मध्य ही अमेरिकी राष्ट्रपति लिडन बेन्स जॉनसन ने भारत को अनाज देने से मना कर दिया था। उसका मानना था कि भारतवासी अब अमेरिका के सामने घुटना टेककर आत्मसमर्पण कर देंगें मगर देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने अपने नागरिकों के साथ मिलकर हरित व्रंति शंखनाद करके अमेरिका के मंसूबों पर पानी पेर दिया था। इसी तरह सन् 1998 में परमाणु परीक्षण के दौरान भी अमेरिका ने भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया किन्तु देश एक बार फिर अपने आत्मविश्वास की दम पर सीना ताने खडा रहा। आज देश में मिसाइलों से लेकर फाइटर जेट तक, कम्प्यूटर से लेकर मोबाइल फोन तक, अत्याधुनिक मशीनरीज से लेकर भारी संयत्रों तक का निर्माण हो रहा है। अंतरिक्ष से लेकर समुद्र की गहराइयों तक में भारत का डंका बज रहा है।

ऐसे में दबाव की राजनीति, दमन का षडयंत्र और पीठ में छुरा भोंकने में माहिर अमेरिका अपनी खोखली धमकियों और देश में स्लीपर सेल के रूप में छुपे मीर जाफरों की दम पर भारत को एक बार फिर झुकाने का मंसूबा पाल बैठा है जो आने वाले समय में आत्मघाती कदम हो सकता है।

आार्य है कि डेड इकोनामी बताने के बाद भी ट्रंप की ललचाईं नजरें भारत के रुख पर ही जमी हैं।

दुनिया भर के विशेषज्ञों की घोषणाओं, शोध संस्थानों के प्रकाशनों और इंटरनेशनल मॉनेटरी पंड यानी आईएमएफ की रिपोर्ट को नजरंदाज करके अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी तानाशाही, बचकाने वत्तव्यों और यू-टर्न वाले वृत्यों से दुनिया भर में उपहास का पात्र बनते जा रहे हैं। ऐसे में आम आवाम को एक बार फिर हरित व्रन्ति की तर्ज पर अमेरिका के सामानों का बहिष्कार करना होगा, स्वदेशी को पूरी तरह स्वीकारना होगा और लिखनी होगी राष्ट्रहित की नई इबारत।

कोर्ट मैरिज कर दुल्हनिया लेकर घर पहुंचा दूल्हा, पापा ने मार-मारकर निकाला कचूमर

(जीएनएस)।

माता-पिता अपने बच्चों की शादी को लेकर खूब सपने देखते हैं। कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां बन जाती हैं कि पसंद की शादी की वजह से माता-पिता काफी नाराज हो जाते हैं। भारत में आज भी कई पैरेंट्स बच्चों की अपनी मर्जी से शादी और कोर्ट मैरिज से बहुत नाराज होते हैं।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक पिता अपने बेटे की जमकर पिटाई करते दिख रहे हैं। दरअसल लड़का बालिग है और कोर्ट मैरिज कर दूल्हे के कपड़ों में दुल्हन लेकर घर पहुंचता है। हालांकि, पिता बेटे को इस रूप में देखकर आग बबूला हो जाते हैं और उसकी पिटाई शुरू कर देते हैं।

नाराज पिता ने बेटे-बहू को दिखाया बाहर का रास्ता

इस दौरान दूल्हा-दुल्हन की शादी करानेवाला वकील भी साथ में रहता है। वकील पिता से कहता है कि देखिए! लड़का 21 साल का है और

इसने कानूनी तौर पर कोर्ट मैरिज कर ली है। लड़का अपने पिता से कहता भी है कि पापा आप घर से मत निकालिए, लेकिन पिता पर कोई असर नहीं होता है। वह बेटे को पीटते हैं और घर से निकालकर दरवाजा बंद कर देते हैं। हालांकि, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में वीडियो का आधा हिस्सा ही शेयर किया गया है। हकीकत में यह कंटेंट क्रिएटर ने हंसी-मजाक के उद्देश्य से वीडियो बनाया है।

इस वायरल वीडियो को अब तक लाखों व्यूज मिल चुके हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि पिता इस शादी से नाखुश हैं। वकील उन्हें कोर्ट के कागज दिखाता है जिसे वह फाड़ देते हैं। बेटा अपने पिता के पैर भी पकड़ता है, लेकिन वो यही कहते हैं कि यहां नहीं रखेंगे, इस घर से निकलो।

पिता जब अपने बेटे को घर से निकालकर गली में पीट रहे होते हैं तो आसपास के लोग भी नजारा देख रहे होते हैं। पिता बार-बार कहते दिख रहे हैं कि हमको कभी कहा नहीं था कि शादी करने वाला है। इस पर बेटा कहता है कि मैंने मम्मी को बताया था। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स कह रहे हैं कि पिता को ऐसा नहीं करना चाहिए था। एक यूजर ने लिखा कि पिता का रिएक्शन बिल्कुल ठीक है। ऐसे बेटे को घर में जगह नहीं मिलनी चाहिए।

अंकिता लोखंडे के घर पर किसका साया? 'परिवार' के दो लोग

गायब! जानें एक्ट्रेस ने किससे लगाई मदद की गुहार?

(जीएनएस)।

बॉलीवुड और टीवी की मशहूर अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के घर में उस वक्त सनसनी मच गई, जब उनकी घरेलू सहायिका की बेटी और उसकी सहेली अचानक लापता हो गईं। गुरुवार, 31 जुलाई से लापता इन नाबालिग लड़कियों की तलाश में अंकिता और उनके पति विक्की जैन ने सोशल मीडिया पर भावुक अपील की है।

इस मामले ने न केवल अंकिता के फैंस को चौंका दिया है, बल्कि सुशांत सिंह राजपूत के साये की अफवाहों को भी हवा दे दी है। आखिर क्या है इस रहस्यमयी गायब होने की कहानी? आइए जानते हैं!

क्या हुआ उस दिन?

अंकिता ने इंस्टाग्राम पर एक दिल दहला देने वाली पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी घरेलू सहायिका कांता की बेटी सलोनी और उसकी दोस्त नेहा, 31 जुलाई की सुबह 10 बजे से लापता हैं। दोनों लड़कियों को आखिरी बार मुंबई के वकोला इलाके (सांताक्रूज पूर्व) में देखा गया था। अंकिता ने इन लड़कियों को अपना 'परिवार' बताते हुए कहा, 'हम बेहद परेशान और चिंतित हैं। ये लड़कियां हमारे लिए सिर्फ कर्मचारी नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा हैं।'

पुलिस में दर्ज हुई .एफआई आर, लेकिन कोई सुराग नहीं!

मामले की गंभीरता को देखते हुए मालवणी पुलिस स्टेशन में अपहरण का केस दर्ज किया गया है, क्योंकि दोनों लड़कियां नाबालिग हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। अंकिता और विक्की ने मुंबई पुलिस और आम जनता से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर किसी को इन लड़कियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो कृपया तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचित करें। आपका समर्थन और प्रार्थनाएं हमारे लिए सब कुछ हैं।'

पोस्ट में उन्होंने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अन्य नेताओं को भी टैग किया।

सुशांत सिंह राजपूत का साया?

यह घटना इसलिए भी सुर्खियों में है, क्योंकि अंकिता का नाम अक्सर उनके पूर्व प्रेमी और दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत से जोड़ा जाता रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इस घटना को रहस्यमयी बताते हुए सुशांत के साये से जोड़ रहे हैं। हालांकि, यह महज अफवाहें हो सकती हैं, लेकिन इसने मामले को और सनसनीखेज बना दिया है।

अंकिता की अपीलः 'वे हमारे परिवार हैं'

अंकिता ने अपनी पोस्ट में भावुक अंदाज में लिखा, 'सलोनी और नेहा हमारे दिल के करीब हैं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस खबर को ज्यादा से ज्यादा शेयर करें, ताकि हमारी बहनें सुरक्षित घर लौट सकें।' अंकिता और विक्की की इस संयुक्त अपील ने फैंस को भी झकझोर दिया है, और लोग सोशल मीडिया पर लगातार इस मामले को वायरल कर रहे हैं।

अंकिता का करियरः लाफ्टर शेफ्स में मचाया धमाल

अंकिता हाल ही में कलर्स टीवी के कॉमेडी शो लाफ्टर शेफ्स - अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट में नजर आई थीं, जिसका प्रीमियर जनवरी 2025 में हुआ। भारती सिंह द्वारा होस्ट और शेफ हरपाल सिंह सोखी द्वारा जज किए गए इस शो ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। यह शो जियो हॉटस्टार पर भी स्ट्रीम हो रहा है।

आगे क्या?

इस रहस्यमयी घटना ने सभी को हैरान कर दिया है। क्या सलोनी और नेहा सुरक्षित वापस लौटेंगी? क्या इस मामले में कोई नया खुलासा होगा? फिलहाल, अंकिता और विक्की की अपील के बाद मुंबई पुलिस ने जांच तेज कर दी है। अगर आपके पास इन लड़कियों के बारे में कोई जानकारी है, तो तुरंत मुंबई पुलिस से संपर्क करें।

भारतीय टीम एशिया कप नहीं खेलेगी तो बीसीसीआईको कितना नुकसान? विरोध के लिए सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग

(जीएनएस)।

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का वेन्यू सामने आते ही सोशल मीडिया पर उबाल देखने को मिल रहा है। भारत सरकार और बीसीसीआई को जमकर कोसा जा रहा है। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों की याद दिलाई जा रही है।

बड़े-बड़े सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं और बीसीसीआई को खरीखोटी सूना रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में मुकाबला 14 सितम्बर को खेला जाएगा। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होना है।

शिव सेना उद्धव ग्रुप से सांसद प्रियंका चतुवेदी ने एक्स पर लिखा कि हर उस प्रायोजक, ब्रॉडकास्टर और स्ट्रीमिंग ऐप को नाम बताकर शर्मिंदा करें जो इस भारत-पाक मैच से पैसे कमाने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि साफ तौर पर इउउक और भारत सरकार इस मैच को लेकर बेशर्मी से आगे बढ़ रहे हैं। अब भारतीय नागरिकों की बारी है कि वे अपनी आवाज बुलंद और स्पष्ट करें। मैं सूचना और प्रसारण मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय से मांग करती हूं कि वे सभी स्ट्रीमिंग ऐप्स और ब्रॉडकास्ट चैनलों पर प्रतिबंध लगाएं जो यह भारत-पाकिस्तान मैच लाइव दिखा रहे हैं। क्या वे भी दबाव में झुक जाएंगे?

मशहूर यूट्यूबर अजीत भारती ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए लिखा कि क्या ऑपरेशन सिंदूर होल्ड पर है? बीसीसीआई को शर्म आनी

चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री, रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री को टैग करते हुए लिखा कि आप संसद और रैलियों में 'राष्ट्रवाद' का ढोल पीटते हैं, लेकिन जब सैनिकों की कुर्बानियों का सम्मान करने की बात आती है, तो वही राष्ट्रवाद गायब हो जाता है। क्या राष्ट्रवाद सिर्फ भीड़ को बहकाने और वोट बटोरने का जरिया है?

एशिया कप में इस बार पाकिस्तान को करीब 35 करोड़ की आय होने का अनुमान है और भारत मेजबान देश है। अक्सर भारत अपना राजस्व शेयर छोड़ देता है। भारत अपने हिस्से का राजस्व छोटे देशों में क्रिकेट के विकास के लिए छोड़ता है। बीसीसीआई को इस तरह की रकम छोड़ने से कोई फर्क नहीं पड़ता।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा कुछ मौकों पर अपने इंटरव्यू में कह चुके हैं कि एशिया कप से होने वाली आय भारतीय क्रिकेट बोर्ड नहीं लेता है। इसे छोटे देशों में बाँट देता है।

स्वदेशी और स्वालम्बन के मन्त्र से देंगे टेरिफ अटैक का जवाब - यशवंत सिंह

नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए लोकतंत्र सेनानी युवा प्रकोष्ठ का गठन

लखनऊ ।लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक पूर्व मन्त्री यशवंत सिंह ने कहा है कि भारत एक सक्षम देश है. वह दुनियां की किसी भी ताकत को मुँह तोड़ जवाब दे सकता है. उन्होंने कहा है कि 140 करोड़ का यह देश जीओ और जीने दो, के मन्त्र का उपासक है. इसी के तहत वह चाहता है कि दुनियां में शान्ति रहे. दुनियां की किसी भी ताकत को हमारी इस मंशा को हमारी कमजोरी नहीं समझनी चाहिए.

रविवार को दारुलशफा के कामनहाल में लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश के युवा प्रकोष्ठ के गठन को लेकर हुए सम्मेलन में मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व मन्त्री यशवंत सिंह ने कहा कि महात्मा गाँधी ने हम लोगों को एक मन्त्र दिया है, जिसका नाम है स्वदेशी और स्वालम्बन. इस मन्त्र को अपनाकर हम लोग अमरीका के टेरिफ अटैक का बिना दिक्कत के मुकाबला कर सकते हैं. उन्होंने लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश को युवा प्रकोष्ठ के गठन के लिए बधाई दी और कहा कि नई पीढ़ी इस मामले में एक बड़ी भूमिका निभा सकती है.

लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक पूर्व मन्त्री यशवंत सिंह ने इस अवसर पर पांच लोगों को अपने हाथ से सदस्यता प्रदान की.

सम्मेलन की अध्यक्षता लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री रामसेवक यादव ने की. सम्मेलन में लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संयोजक धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, कृष्णदत्त पाठक, एस बी सिंह, आर पी अवस्थी, विनोद कुमार कामिल आदि भी उपस्थित थे.

इंडिगो की फ्लाइट में थप्पड़कांड के बाद से लापता हुआ हुसैन अहमद 800 ङ्क्ट दूर मिला, क्यों अचानक हुआ था गायब?

(जीएनएस)। इंडिगो की फ्लाइट में थप्पड़कांड के बाद रहस्यमयी तरीके से लापता हुए हुसैन अहमद मजूमदार आखिरकार 800 किलोमीटर दूर असम में मिले। फ्लाइट में पैनिक अटैक के बाद उन्हें एक यात्री ने थप्पड़ मार दिया था, जिसके बाद वो कोलकाता एयरपोर्ट पर फ्लाइट छोड़कर अचानक लापता हो गए थे। इस घटना ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी और परिवार वालों की चिंता बढ़ा दी थी।

कोलकाता से सिलचर की यात्रा पर निकले हुसैन मजूमदार ट्रेन के जरिए बरपेटा पहुंच गए, पुलिस के अनुसार वे अपने पिता से मिलने जा रहे थे। फ्लाइट छोड़ने और संपर्क न करने की वजह से परिवार बेहद घबरा गया था।

सिलचर से लगभग 400 किलोमीटर दूर मिले

इंडिगो की फ्लाइट थप्पड़कांड के बाद लापता हुए हुसैन अहमद मजूमदार को असम के बरपेटा रेलवे स्टेशन पर देखा गया। यह स्टेशन सिलचर से लगभग 400 किलोमीटर दूर है। वह मूल रूप से सिलचर के रहने वाले हैं और अपने पिता से मिलने जा रहे थे।

कैसे पहुंचे बरपेटा?

हुसैन अहमद मुंबई से कोलकाता आए थे, जहां से उन्हें इंडिगो की अगली फ्लाइट पकड़कर सिलचर जाना था। लेकिन फ्लाइट में पैनिक अटैक आने और थप्पड़कांड के बाद उन्होंने कोलकाता से सिलचर की फ्लाइट नहीं ली। इसके बजाय उन्होंने कोलकाता से ट्रेन पकड़ी और बरपेटा रेलवे स्टेशन पहुंचे। कटिगोराह पुलिस के अनुसार, उन्होंने कोलकाता से ट्रेन के माध्यम से यात्रा की और बरपेटा पहुंचे। वहां से वे सिलचर की ओर निकलने वाले थे। शनिवार देर रात तक उनकी लोकेशन बरपेटा में ट्रेस की गई।

सोशल मीडिया पर फैली अफवाहें

उनके परिवार वाले सिलचर एयरपोर्ट पर उन्हें लेने पहुंचे थे, लेकिन वे वहां नहीं पहुंचे। फोन भी स्विच ऑफ था। सोशल मीडिया पर उनकी मौत और बेचैनी से जुड़े वीडियो वायरल हो गए थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई थी। बाद में जब पुलिस ने उन्हें ट्रेस किया तो उनके सुरक्षित होने की पुष्टि हुई।

ये भी पढ़ें क्ल्लिख्रिङ्ग फ्लाइट में असम के पैसेंजर को जड़ा थप्पड़, अब युवक हुआ गायब, क्या है पूरा मामला?

फ्लाइट में क्या हुआ था?

इंडिगो की फ्लाइट 6ए-2387 में हुसैन अहमद मजूमदार को पैनिक अटैक आ गया था। फ्लाइट में यात्रा करते वक्त वे अचानक अस्वस्थ महसूस करने लगे और उतरने की जिद करने लगे। जब उन्हें शांत करने की कोशिश की गई, तो उनकी स्थिति और बिगड़ गई और उन्होंने ज़िद पकड़ ली कि उन्हें फ्लाइट से बाहर निकाला जाए।

इस बीच, एक सहयात्री ने उनकी स्थिति को समझने के बजाय गुस्से में आकर उन्हें थप्पड़ मार दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे हंगामा मच गया। वीडियो में दिखाया गया था कि सहयात्री ने बिना किसी गंभीर कारण के हुसैन को थप्पड़ मारा, जिससे यह घटना विवाद का विषय बन गई।

रोटरी क्लब ने श्री पियूष सिंह चौहान को युवा एवं साक्षरता निदेशक के रूप में नियुक्त किया

युवाओं की ऊर्जा को सही राह दिखाना जरूरी पीयूष सिंह चौहान

लखनऊ रोटरी क्लब ने पियूष सिंह चौहान को युवा एवं साक्षरता निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने के उपलक्ष्य में रोटरी सदस्यता पिन प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया यह पिन सेवा और समाज परिवर्तन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। शिक्षा और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में श्री चौहान के निरंतर प्रयास रोटरी क्लब की सोच—सेवा से समाज निर्माण—को सशक्त करते हैं।

सम्मान प्राप्त करते हुए श्री पीयूष सिंह चौहान ने कहा ह्ययह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं रोटरी क्लब के साथ मिलकर युवाओं के उत्थान और साक्षरता के क्षेत्र में सार्थक योगदान देने के लिए तत्पर हूं रोटरी क्लब श्री पियूष सिंह चौहान को इस नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता है और उनके नेतृत्व में समाज सेवा की दिशा में नए आयाम स्थापित होने की आशा करता है।

तीन दुकानों से 120 डिब्बा नकली मोबिल बरामद

(जीएनएस)।

कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के बाजारों में एक कंपनी की टीम ने छापामारी की। इस दौरान तीन दुकानों से कंपनी का करीब 120 डिब्बा नकली ऑयल बरामद किया गया। तीनों दुकानदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया है। एक कंपनी की टीम पुलिस बल के साथ मखऊपुर स्थित अभिषेक दिवाकर की ऑटो पार्ट्स की दुकान पर पहुंची। उसकी दुकान से 10 डिब्बा नकली ऑयल मिला। तिल्हापुर मोड़ निवासी विजय पुत्र सुखनंदन की ऑटो पार्ट्स दुकान से 53 तो अंकित पुत्र श्री राम बाबू साइकिल की दुकान से 57 डिब्बा ऑयल बरामद किया गया। बरामद ऑयल का नमूना परीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

तीनों दुकानदारों के खिलाफ कंपनी के जांच अधिकारी पियूष कुमार श्रीवास्तव ने मुकदमा दर्ज करा दिया है। कार्रवाई के दौरान बाजारों में अफरातफरी का माहौल देखने को मिला। कई दुकानदार दुकानों का शटर गिराकर भाग खड़े हुए। कुछ दुकान खुली छोड़कर ही गायब हो गई। ऐसे में चेकिंग नहीं की जा सकी। पिपरी थानाध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि पुलिस भी अपने स्तर से जांच कर रही है। जो भी तथ्य सामने आएंगे उस हिसाब से आगे की कार्रवाई की जाएगी।

काशिया वार्ड में जलभराव की समस्या पर नगर पालिका अध्यक्ष ने लिया संज्ञान मौके पर पहुंचकर दिए आवश्यक निर्देश

(जीएनएस)।

कौशांबी। नगर पालिका भरवारी लगातार हो रही भारी बारिश के चलते नगर पालिका परिषद भरवारी के वार्ड संख्या 18 काशिया में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता पासी ने आज मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

अध्यक्ष कविता पासी ने स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और तत्काल राहत प्रदान करने हेतु नगर पालिका के कर्मचारियों को निर्देशित किया। उन्होंने जलनिकासी की व्यवस्था हेतु पनचक्की (पंपिंग मशीन) की मदद से पानी हटवाने का निर्देश

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि बारिश के मौसम में नागरिकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह से तत्पर है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जलभराव की समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा।

स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई और संवेदनशीलता दिखाने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

थिंक टैंक

किसी भी संगठन या आंदोलन को क्षणिक एवं तात्कालिक विषयों अथवा मुद्दों के आधार पर खड़ा किया जा सकता है किंतु बिना किसी सशक्त विचारधारा के, केवल व्यक्ति विशेष का महिमामंडन कर के उस आंदोलन या संगठन को दीर्घजीवी नहीं बनाया जा सकता।

एक सफल क्रांति के लिए आवश्यक है कि युवा जोश के साथ साथ उस दल के महानायक, नेता, अग्रज के स्वयं के व्यक्तित्व तथा पत्रकार, लेखक, वकील, शिक्षक, उच्च पदस्थ कर्मचारी/अधिकारी आदि जैसे बुद्धिजीवी वर्ग का भी निष्काम भाव से समान प्रतिनिधित्व व योगदान समाहित हो।

ओम प्रकाश कुशवाहा

प्रायः देखा जा रहा कि आजकल रोज एक नई पार्टी रोज एक नया दल रोज नया संगठन लाल, पीला, नीला गमछा गले में डाल कर अस्तित्व में आ जा रहे हैं, जो पानी के बुलबुले की तरह उदीप्त होते हैं और उसी तीव्रता से विलुप्त भी हो जाते हैं।

यदि केवल भारत के संदर्भ में बात करें तो स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन एक बेहतर उदाहरण हो सकता है, जिसमें गांधी, पटेल, नेहरू, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस जैसा तेजस्वी नेतृत्व और समाज के सभी वर्गों और तबकों यथा किसान, मजदूर, शिक्षक, लेखक, पत्रकार, युवा, वकील की समान रूप से भागीदारी थी। सबके बेहतर समन्वय से ही वो आंदोलन सफल हो पाया था।

इसके बाद जयप्रकाश, लोहिया एवं कांशीराम जी जैसे लोगों द्वारा किए गए प्रयासों को सूचीबद्ध किया जा सकता है। जिसने सामाजिक एवं लोकतांत्रिक चेतना जागृत करने में सफलता पाई।

यदि प्राचीन भारतीय इतिहास से भी उदाहरण लिया जाए तो हम पायेंगे जहां राम की सेना में हनुमान, अंगद, नल नील जैसे योद्धा थे वहीं दूसरी ओर सुग्रीव और जामवंत जैसे विचारक भी थे। महाभारत में श्री कृष्ण से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता जिनकी व्यूह रचना का ही परिणाम था कि सौ कौरवों के समक्ष पांच पांडव विजय हो सके।

सारांशतः एक सशक्त विचारधारा, कुशल नेतृत्व और संपूर्ण सामाजिक भागीदारी के बिना कोई भी आंदोलन दीर्घजीवी नहीं हो सकता उससे केवल कुछेक ऊपरी व्यक्तियों को तात्कालिक लाभ अवश्य ही मिल जाता है बाकी सब अगले आंदोलन की बाट जोहते रह जाते हैं।

मंझनपुर तहसील जाने वाले मार्ग में भरा पानी रोड़ बनी नहर

(जीएनएस)।

कौशांबी। जिले में शनिवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने स्थिति को गंभीर बना दिया है। मंझनपुर तहसील को जाने वाली सड़कें जलमग्न हो गई हैं और लोग इस बात से चिंतित हैं कि जब जिला मुख्यालय के जल निकासी की समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है तो अन्य स्थानों की समस्याओं का निपटारा कैसे होगा। बता दे की जिला मुख्यालय मंझनपुर में पहले तो कई तालाबों पर अतिक्रमण हो चुका है। बचे हुए तालाबों पर भी नगर पालिका द्वारा सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। जिसके कारण इन तालाबो में नालों का पानी बंद कर दिया गया है। इस कारण से समस्या और भी गंभीर हो गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मंझनपुर जो जिला मुख्यालय है और जहां जिलाधिकारी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों का आवागमन रहता है। फिर भी यहां की मूलभूत अवसंरचना में खामियां बनी हुई हैं। जिस मार्ग में पानी भरा हुआ है इस मार्ग से एसडीएम मंझनपुर का आवागमन दिन भर रहता है लेकिन वह अपने तहसील जाने वाले मार्ग में जल भराव की समस्या नही खत्म कर पा रहे है और मार्ग तालाब में तब्दील हो चुका है तो वह अन्य जगहों की समस्या क्या समाप्त कर पाएंगे।

इस गंभीर स्थिति में सार्वजनिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। और प्रशासन को इस ओर तत्परता से ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि ऐसी समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो यह न केवल नागरिकों के जीवन को प्रभावित करेगा बल्कि प्रशासनिक विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाएगा। तत्काल कार्रवाई आवश्यक है ताकि भविष्य में इस तरह की समस्याओं से बचा जा सके।

मित्रता ही सच्चे प्रेम का धागा है स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज राजेश तिवारी

जुदा कर नही सकती कोई हस्ती हमारी मित्रता गुलजारी है।मित्रता हमारी पवित्र है जिसका माली राजेश तिवारी है।

(जीएनएस)।

प्रयागराज। मित्रता ही सच्चे प्रेम का धागा है यह अभिव्यक्ति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज मेजा प्रयागराज के ग्राम पंचायत बकचून्दा निवासी राजेश तिवारी ने अपने सम्वर्गीय साथियों के बीच जिला पंचायत अध्यक्ष कार्यालय प्रयागराज में कही।खबर का दृष्टिकोणिक कराते चले कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी अपने सम्वर्गीय साथियों के साथ एक विशेष कार्य से जिला पंचायत अध्यक्ष कार्यालय प्रयागराज पधारे हुए थे।आपसी सौहार्दपूर्ण साहित्यिक परिचर्चा के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मित्रता ही सच्चे प्रेम का धागा है क्योंकि इस संसार में सच्चा प्रेम केवल मित्र के साथ ही होता है जो एक पवित्र धागे के साथ बंधा रहता है।एक सच्चे मित्र पर दूसरे मित्र का पूर्णतः विश्वास बना रहता है जिससे वे एक दूसरे से अपने सुख-दुःख का हाल बेझिझक कह और बता सकते हैं।एक सच्चा मित्र अपने मित्र के सुख में प्रसन्न एवं दुःख में क्रंदन एवं करुणा का भाव रखते हुए उसके निपटारे में अपना जी जान लगा देता है।स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी ने आगे कहा कि मित्रता की परिभाषा का मूल सार प्रभू श्रीकृष्ण एवं विप्र सुदामा के बीच पूर्णतः स्पष्ट है। प्रभू श्रीकृष्ण ने विप्र सुदामा के सभी दुःखो को दूर करते हुए दो लोक भी प्रदान कर दिए और अपना तीसरा लोक बैंकुण्ठ भी प्रदान करने वाले थे तभी आदिशक्ति रुक्मिणी ने उन्हें किसी बहाने से रोक लिया।यह है असली मित्रता जो अपने मित्र के लिए सर्वत्र निछावर की भावना रखती है।स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी ने आगे अपने व्यक्तव्य में यह भी कहा कि जुदा कर नहीं सकती कोई हस्ती हमारी मित्रता गुलजारी है,मित्रता हमारी पवित्र है जिसका माली राजेश तिवारी है।इस साहित्यिक एवं मैत्रीपूर्ण परिचर्चा के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज श्री तिवारी के साथ बोरिंग टेक्नीशियन विकास खण्ड कौंधियारा प्रयागराज राकेश कुमार सिंह बोरिंग टेक्नीशियन विकास खण्ड कोरांव प्रयागराज करुणाकर शुक्ला एवं बोरिंग टेक्नीशियन विकास खण्ड करछना प्रयागराज अनिल कुमार सिंह सहित आस पास बहुत से लोग मौजूद रहे।

तहजीब और नजाकत के शहर लखनऊ में महिला भूमिहार समाज ने मनाया आया सावन झूम

इस आयोजन का उद्देश्य हमारी सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ी तक पहुंचाना है डा राजलक्ष्मी राय

सावन क्वीन बनी साधना राय

लखनऊ । सावन में पारंपरिक उत्सवों की श्रृंखला को आगे बढ़ाने के क्रम में महिला भूमिहार समाज की सदस्यों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम "आया सावन झूम के" कार्यक्रम का हांट प्लेट रेस्टोरेंट मिभव खंड गोमती नगर मे आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर गणेश वंदना की प्रस्तुति से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला भूमिहार समाज की संस्थापिका डॉक्टर राजलक्ष्मी राय ने कहा कि, इस आयोजन का उद्देश्य हमारी सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ी तक पहुंचाना है और समाज की महिलाओं को एक साथ संगठित कर उनके आत्मशक्ति और सामाजिक योगदान को बढ़ावा देना है। सावन के महीने में प्रकृति मानसून की गोद में आनंदित होती है। तो भला महिलाएं सावन में कैसे पीछे रह सकती हैं।हरे परिधान में हाथों में मेंहदी और हरी हरी चूड़ियों के साथ सज धजकर भारी संख्या में महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुईं और पारंपरिक लोकगीत कजरी और नृत्य की रसधार में सावनी फुहार का जमकर आनंद उठाया। तरह तरह के खेल ,कजरी गीत ,नृत्य और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद सभी महिलाओं ने उठाया। तीज क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन किया जया जिसमे विजेता साधना राय को स्मृति चिंन्ह देकर सम्मानित किया गया। । इस अवसर पर मुख्य रुप से पुष्पा सिंह, पूनम राय ,कुसुम राय, डॉक्टर संध्या राय,इंदु राय,दीप्ति राय,उर्वशी स्मिता पांडे उपासना सिंह,अनिता पांडे,रूबी शन्नो,श्वेता, सुनीता,नीलम,नीरू सिंह, नमिता,गीतांजलि ,चिंता,सुमन उपस्थित रहीं। आये हुए आंगुतको का आभार डा. राजलक्ष्मी राय 'सिम्पी' ने दिया।

हनुमत अवतार सहित विविध दिव्य लीलाओं का हुआ रसपान 'शिव महापुराण कथा के सप्तम दिवस का भव्य आयोजन'

(जीएनएस)।

उतरौला (बलरामपुर)। नगर के बाबा श्री दुःखहरण नाथ मन्दिर प्रांगण में चल रहे दस दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के सप्तम दिवस में श्रद्धालुओं को दिव्य कथाओं एवं लीलाओं का रसपान कराया गया। कथा वाचन के इस पावन दिवस पर प्रमुख रूप से हनुमान जी के अवतार का विस्तृत वर्णन किया गया, जिसने सम्पूर्ण वातावरण को भक्ति और भावनाओं से ओत-प्रोत कर दिया।

कथावाचक विद्वान आचार्य पं० श्री बृजलाल मिश्र जी महाराज ने श्रद्धालुओं को बताया कि कैसे भगवान शंकर ने रुद्र रूप में वानरराज केसरी व माता अंजना के पुत्र के रूप में हनुमान जी के रूप में अवतार लेकर धर्म की रक्षा की। उनके जन्म की पृष्ठभूमि, बाल लीलाओं एवं शिवतत्व से उनके सम्बन्ध का जीवंत चित्रण किया गया, जिससे उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा के दौरान ऋषि अत्रि और माता अनुसुइया की तपस्या, उनके द्वारा त्रिदेवों की परीक्षा, और फिर ऋषि दुवार्सा जी के रुद्रावतार की अद्भुत कथा का प्रसंग सुनाया गया। यह प्रसंग श्रद्धालुओं के लिए ज्ञानवर्धक एवं भावप्रवण दोनों रहा। इसके साथ ही, समुद्र मंथन की रोमांचकारी कथा का भी वर्णन किया गया। इस अवसर पर दैत्य और देवताओं के सहयोग से सागर मंथन, उसमें से निकली विविध रत्न, विष और अमृत, और भगवान शंकर द्वारा हलाहल विष का पान कर नीलकंठ बनने की लीला का चित्रण किया गया। कथा के अंतर्गत भगवान विष्णु के मोहिनी अवतार का वर्णन भी अत्यंत रोचक और शिक्षाप्रद रहा।

इस पावन अवसर का भव्य आयोजन बाबा श्री दुःखहरण नाथ मन्दिर सेवा समिति, उतरौला के तत्वावधान में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सक्रिय सदस्यों मयंक गिरि, शानू गिरि, अर्पित गुप्ता, मोनू गुप्ता, राहुल गुप्ता सहित सभी सेवाभावी कार्यकताओं ने विशेष योगदान दिया। सांस्कृतिक संध्या की शोभा अखण्ड म्यूजिकल ग्रुप उतरौला की भक्ति संगीतमयी प्रस्तुतियों ने और बढ़ा दी। भक्तिमय भजनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को हर प्रसंग को साक्षात अनुभव कराने का प्रयास किया गया। पूरे दिन मन्दिर प्रांगण में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। कथा श्रवण के साथ-साथ प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था समिति द्वारा सुचारू रूप से संचालित की गई। सम्पूर्ण वातावरण शिवमय बना रहा। शिव महापुराण कथा का यह दिव्य आयोजन नगरवासियों के लिए एक अध्यात्मिक पर्व के रूप में स्मरणीय बनता जा रहा है।